This question paper contains **4+1** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **5219**

Unique Paper Code : **213357** **G**

Name of the Paper : **Mastering Sanskrit Language, Prosody and Rhetoric**

Name of the Course : **B.A. (Programme) Sanskrit Language**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत **या** हिंदी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की सन्धि कीजिए : 3×2=6

Join any *three* words of the following :

वर्षा + ऋतुः, देव + इन्द्रः, चित् + आनन्दः, नै + अकः, सु + आगतम्, नव + ऊढाः

P.T.O.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का सन्धि-विच्छेद कीजिए : 2×2=4

Disjoin any *two* of the following words :

कोऽपि, उभावपि, नरेशः, सूर्योदयः

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का समास कीजिए : 2×3=6

Make compounds of any *three* of the following :

हरिश्च हरश्च, न ब्राह्मणः, चतुर्णां युगानां समाहारः, महान् च असौ राजा,

पाणी च पादौ च

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का समास विग्रह कीजिए : 2×2=4

Dissolve any *two* of the following :

नीलोत्पलम्, नवरात्रम्, राजपुरुषः, अनागतम्

5. किसी **एक** विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए : 20

Write an essay in Sanskrit on any *one* of the following :

(क) संस्कृतिः संस्कृतमाश्रिता,

(ख) कालिदासः,

(ग) मम प्रियपुस्तकम्,

(घ) कथय सत्संगतिः किं न करोति पुंसाम्।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छन्दों का लक्षण एवं गणनिर्देशपूर्वक उदाहरण दीजिए : 2×4=8

Define and illustrate any *two* metres of the following :

अनुष्टुप्, मालिनी, शार्दूलविक्रीडित

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में गणनिर्देश करते हुए छन्द बताइये : 2×2=4

Scan and name the metres in any *two* of the following :

(क) प्रद्वेषो बहुमानो वा संकल्पादुपजायते।

भर्तृदाराभिलाषित्वादस्यां मे महती स्वता॥

(ख) भूत्वा चिराय चतुरन्तमहीसपत्नी

दौष्यन्तिमप्रतिरथं तनयं निवेश्य।

भर्त्रा तदर्पितकुटुम्बभरेण सार्धं

शान्ते करिष्यसि पदं पुनराश्रमेऽस्मिन्॥

(ग) आ परितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोग विज्ञानम्।

बलवदपि शिक्षितानमात्मन्यप्रत्ययं चेत:॥

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण बताइए : 2×4=8

Define with example any *two* of the following figures of speech :

अनुप्रास, उत्प्रेक्षा, उपमा, रूपक

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में लक्षण सहित अलंकार बताइए : 2×2=4

Explain and name the figure of speech in any *two* of the following :

(क) ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्यय:।

गुणागुणानुबन्धित्वात् तस्य सप्रसवा इव॥

(ख) यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीनां

आविष्कृतोऽरुणपुरस्सर एकतोऽर्कः।

तेजोद्वयस्य युगपद् व्यसनोदयाभ्यां

लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु॥

(ग) एको देवः केशवो वा शिवो वा

एकं मित्रं भूपतिर्वा यतिर्वा।

एको वासः पत्तने वा वने वा

एका नारी सुन्दरी वा दरी वा॥

10. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** का हिंदी **अथवा** अंग्रेजी भाषा में अनुवाद कीजिए : 6

Translate any *one* of the following passages into Hindi *or* English :

अस्ति कस्मिंश्चिदधिष्ठाने कोऽपि ब्राह्मणः। तस्य च भार्या प्राणेभ्योऽप्यतिप्रियासीत्। साऽपि प्रतिदिनं कुटुम्बेकेन सह कलहं कुर्वाणा न विश्राम्यति। सोऽपि ब्राह्मणः कलहमसहमानो भार्यावात्स्यलात् स्वकुटुम्बं परित्यज्य ब्राह्मण्या सह विप्रकृष्टं देशान्तरं गतः।

अथवा/*Or*

कस्मिंश्चिद् देशे सिंह–दम्पत्ती प्रतिवसतः स्म। अथ सिंही पुत्रद्वयमजीजनत्। सिंहोऽपि नित्यमेव मृगान् व्यापाद्य सिंहौ ददाति। अथऽन्यस्मिन्नहनि तेन किमपि नासादितम्। वने भ्रमतोऽपि तस्य रविरस्तं गतः। अथ तेन स्वगृहमागच्छता शृगालशिशुः प्राप्तः। स च बालकोऽयमित्यवधार्य, यत्नेन द्रंष्ट्रमध्यगतं कृत्वा, सिंह्यो जीवन्तमेव समर्पितवान्।

11. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5219 $5\times1=5$

Answer any *five* questions in Sanskrit on the basis of the passage given below :

मेदोऽस्थि-मज्जा-मांस-असृक्-संघातम् इदं शरीरं। पञ्च-महाभूतैः इदं विनिर्मितम्। एतस्मिन् शरीरे पञ्च कर्मेन्द्रियाणि पञ्च ज्ञानेन्द्रियाणि च। कर्मेन्द्रियैः मनुष्यः कार्यं करोति परं ज्ञानेन्द्रियैः विषयान् अनुभवति। यथा हस्तेन अन्नं मुखम् अभि नयति, मुखेन खादति, पद्भ्याम् धावति, चक्षुभ्याम् पश्यति पदार्थान्, कर्णाभ्यां शृणोति शब्दम्, नासिकया जिघ्रति गन्धम्, पृष्ठेन च भारहारः भारं वहति। सैनिकः कटिप्रदेशे असिं धारयति। सदैव रक्षितव्यमिदं शरीरम्। शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधन्।

(*i*) कस्य संघातम् इदं शरीरम् ?

(*ii*) नरः केन अन्नं मुखमभि नयति ?

(*iii*) नरः इन्द्रियैः किं किं करोति ?

(*iv*) सैनिकः कटिप्रदेशे किं धारयति ?

(*v*) शरीरे कतिपयानि कर्मेन्द्रियाणि सन्ति ?

(*vi*) शरीरे कतिपयानि ज्ञानेन्द्रियाणि सन्ति ?

(*vii*) कः आद्यं खलु धर्मसाधनम् ?